Dr. DHANVIR PRASAD
ASSISTANT PROFESSOR (G .T)
DEPT.OF.PSYCHOLOGY
C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI
L.N.M.U DARBHANGA
MOBILE NO:- 6206696451

NATURE OR CHARACTERISTICS OF PSYCHOLOGY

मनोविज्ञान की विभिन्न परिभाषाओं का उल्लेख किया जा चुका है। इन परिभाषाओं के आधार पर मनोविज्ञान का स्वरूप स्पष्ट हो जाता है। इसके स्वरूप से संबंधित कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

1. **समर्थक विज्ञान :-**

मनोविज्ञान की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह एक समर्थक विज्ञान है। समर्थक विज्ञान उस विज्ञान को कहते हैं जो कि अपनी विषय-वस्तु का अध्ययन उसी रूप में करता है, जिस रूप में वह होती है, उस रूप में नहीं जिस रूप में उसे होना

चाहिए। अतः इसका संबंध 'है ' से है, 'चाहिए ' से नहीं।

2. **सामाजिक विज्ञान :-**

मनोविज्ञान की एक विशेषता यह है कि यह सामाजिक विज्ञान है। सामाजिक विज्ञान का अर्थ वह विज्ञान है जो सामाजिक समस्याओं का विधिवत अध्ययन करता है। गरीबी, बेरोजगारी, औषध दुरुपयोग आदि सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करने वाले विज्ञान को सामाजिक विज्ञान कहते हैं।इस अर्थ में मनोविज्ञान भौतिकी, रसायनविज्ञान आदि से भिन्न है जबकि समाजशास्त्र, मानवशास्त्र आदि सामाजिक विज्ञानों के समान है।

3. **व्यवहारात्मक विज्ञान :-**

मनोविज्ञान के एक प्रभेदक स्वरूप इसका व्यवहारात्मक विज्ञान होना है। मनोविज्ञान मानव तथा पशु के व्यवहारों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। रोबिंस ने स्पष्ट कहा है कि मनोविज्ञान

वह विज्ञान है जो मानवों तथा अन्य पशुओं के व्यवहार को मापने, व्याख्या करने तथा कभी-कभी परिवर्तित करने का अन्वेषण करता है। इस अर्थ में मनोविज्ञान अन्य सभी विज्ञानों से भिन्न है।

4. **प्राणी की विज्ञान :-**

मनोविज्ञान की एक विशेषता यह है कि इसमें छोटे-बड़े सभी प्राणियों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। सबसे छोटे प्राणी को अमीवा कहते हैं जो एक कोश से बना होता है। सबसे बडा या विकसित प्राणी मनुष्य है जो सबसे अधिक जटिल होता है।

5. **अपूर्व विज्ञान :-**

मनोविज्ञान की एक प्रमुख विशेषता अपूर्व स्वरूप है। इस विज्ञान में अन्तर्निरक्षण विधि का उपयोग करके चेतन अनुभूतियों का अध्ययन किया जाता है। अन्तर्निरक्षण विधि का उपयोग दूसरे किसी भी विज्ञान में नहीं किया जाता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि मनोविज्ञान के स्वरूप से संबंधित उपर्युक्त कई विशेषताएँ हैं। इन विशेषताओं के आलोक में मनोविज्ञान के स्वरूप को आसानी से समझा जा सकता है तथा इसे अन्य विज्ञानों से भिन्न किया जा सकता है ।